rtmnuonline.com

Bachelor of Arts (B.A.) Second Semester Examination

SOCIOLOGY : THEMES & PERSPECTIVES

(Optional)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

N.B. :— (1) **All** questions are compulsory.

(2) All questions carry equal marks.

1. Describe the concepts of Social Deviance and Social Conformity.

OR

Examine the relationship between Social Structure and Social Deviation.

2. Describe Parsons' contribution to structural — functional perspective in Sociology.

OR

Highlight Marx's views on conflict perspective in Sociology.

3. Write short answers :

(a) Describe the characteristics of culture.

(b) Write a note on cognitive element of culture.

OR

(c) Explain values and norms as major elements of culture.

(d) Discuss culture as ways of individual behaviour in society.

4. Write short answers :

(a) Explain how social stratification encourages social mobility.

(b) Bring about the differences between social differences and social stratification.

OR

(c) Explain Caste as a form of social stratification.

(d) Discuss the dysfunctions of social stratification.

5. Write short answers of the following :

(a) Signs as elements of culture

(b) Culture and personality

(c) Measures to check deviation hehaviour

(d) Anomie

(e) Horizontal mobility

(f) Vertical mobility

(g) Coser and conflict perspective

(h) Feminist perspective.

rtmnuonline.com

Bachelor of Arts (B.A.) Second Semester Examination

SOCIOLOGY : THEMES & PERSPECTIVES

(Optional)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

N.B. :— (1) **All** questions are compulsory.

(2) All questions carry equal marks.

(मराठी माध्यम)

1. सामाजिक अनुचलन आणि सामाजिक विचलनाची संकल्पना चर्चा करा.

किंवा

सामाजिक संरचना आणि सामाजिक विचलन यातील संबंधाचे परिक्षण करा.

2. समाजशास्त्र संरचनात्मक प्रकार्यवादी दृष्टीकोणासाठी पारसन्सच्या योगदानाचे वर्णन करा.

किंवा

समाजशास्त्रात संघर्षवादी दृष्टीकोनावर मार्क्सचे मत रेखांकीत करा.

3. खालीलपैकी प्रत्येकावर संक्षिप्त उत्तर लिहा :

(अ) संस्कृतीच्या वैशिष्टयाचे वर्णन करा.

(ब) संस्कृतीच्या बोधात्मक मुलतत्वावर एक टिपन लिहा.

किंवा

(क) संस्कृतीच्या मुख्य मुळतत्वाच्या रुपात मुल्ये आणि प्रमानके स्पष्ट करा.

(ड) सामाजात व्यक्तिगत वर्तनाच्या चळनाच्या स्वरूपात संस्कृतीची चर्चा करा.

4. थोडक्यात उत्तरे लिहा :

(अ) सामाजिक स्तरिकरण सामाजिक गतीशिलतेला कशी प्रोत्साहित करते स्पष्ट करा.

(ब) सामाजिक विभेद आणि सामाजिक स्तरिकरण यातील भेद विषद करा.

किंवा

(क) सामाजिक स्तरीकरणाच्या स्वरूपात जात स्पष्ट करा.

(ड) सामाजिक स्तरीकरणाच्या अपकार्याची चर्चा करा.

5. खालीलपैकी प्रत्येकावर संक्षीप्त उत्तरे लिहा :

(अ) संस्कृतीच्या मुळतत्वाच्या रूपात संकेत

(ब) संस्कृती आणि व्यक्तीमत्व.

(क) विचलीत वर्तनाला नियंत्रीत करण्याचे उपाय.

(ड) प्रमानक शुन्यता

(इ) शैतीज गतिशिलता

(फ) उदग्र गतीशिलता

(ग) कोझर आणि संघर्षवादी दृष्टीकोन

(ह) नारीवादी दृष्टीकोन.

rtmnuonline.com

Bachelor of Arts (B.A.) Second Semester Examination

SOCIOLOGY : THEMES & PERSPECTIVES

(Optional)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

N.B. :— (1) **All** questions are compulsory.

(2) All questions carry equal marks.

(हिन्दी माध्यम)

1. सामाजिक अनुचलन एवम् सामाजिक विचलन इन अवधारणाओं की चर्चा कीजिए ।

अथवा

सामाजिक संरचना एवम् सामाजिक विचलन इनके मध्य संबंधों का परीक्षण कीजिए ।

2. समाजशास्त्र में संरचनात्मक-प्रकार्यवादी दृष्टिकोण में पारसन्स के योगदान का वर्णन कीजिए ।

अथवा

समाजशास्त्र में संघर्षवादी दृष्टिकोण पर मार्क्स का दृष्टिकोण अधोरेखित कीजिए ।

3. संक्षिप्त उत्तर लिखिए :

(अ) संस्कृति की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

(ब) संस्कृति के बोधात्मक मूल तत्व पर एक टिप्पणी लिखिए ।

अथवा

(क) संस्कृति के प्रमुख मूल तत्व के रूप में मूल्ये एवं सामान्यक स्पष्ट कीजिए ।

(ड) समाज में व्यवहार के चलन में रूप में संस्कृति की चर्चा कीजिए ।

4. संक्षिप्त उत्तर लिखिए :

(अ) सामाजिक स्तरीकरण सामाजिक गतिशीलता को कैसे प्रोत्साहित करता है, स्पष्ट कीजिए ।

(ब) सामाजिक विभेदी एवम् सामाजिक स्तरीकरण इनके मध्य अंतर विशद कीजिए ।

अथवा

(क) सामाजिक स्तरीकरण के रूप में जाति स्पष्ट कीजिए ।

(ड) सामाजिक स्तरीकरण के अपकार्यों की चर्चा कीजिए ।

5. निम्नलिखित प्रत्येक पर संक्षिप्त उत्तर लिखिए :

(अ) संस्कृति के मूल तत्व के रूप में संकेत

(ब) संस्कृति एवम् व्यक्तित्व

(क) विचलित वर्तन को रोकथाम करने वाले उपाय

(ड) प्रमाणक शुन्यता

(इ) क्षैतिज गतिशीलता

(फ) उदग्र गतिशीलता

(ग) कोजर एवम् संघर्षवादी दृष्टिकोण

(ह) नारीवादी दृष्टिकोण ।